अजीत समाचार 10/04/2024

जीएमएन कालेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

अम्बाला कैंट, 9 अप्रैल (अग्रवाल): वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान एवं रसायन विभाग गांधी मैमोरियल नेशनल कालेज अम्बाला कैंट के तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार द्वारा स्पांन्सर थी। इस संगोष्ठी का विषय अवसर और चुनौतियां रहा। वैश्विक सतत विकास के लिए कृषि, पर्यावरण और जैविक विज्ञान रहा। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. सोमवीर जाखड़ एसोसिएट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय रहे। डॉ. नरेंद्र सिंह अध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में चीफ गेस्ट के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. कमल सैनी एसोसिएट प्रोफेसर ने समापन सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी की। कालेज प्रिंसिपल डॉ. रोहित दत्त ने सबसे पहले विधिवत रूप से मुख्य वक्ता एवं अन्य उपस्थित अतिथिगणों का विधिवत रूप से स्वागत किया तथा सभी को पौधा देकर सम्मानित किया। डॉ. रोहित दत्त ने बताया कि आज के समय में इस तरह की राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना बड़ा ही प्रासंगिक है, क्योंकि जिस तेजी से कृषि पर्यावरण और जीव विविधता में परिवर्तन हो रहा है उनका अध्ययन करना बहुत ही जरूरी है इन सभी का संतुलित होना सतत विकास में महत्वपूर्ण भागीदारी अदा करता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास के सिद्धांतों में भी इन सभी तत्वों को महत्वपूर्ण रूप से शामिल किया गया है। डॉ. मीनू राठी कन्वीनर राष्ट्रीय संगोष्ठी ने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के थीम के बारे में सभी को अवगत कराया और बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य पर्यावरण बदलाव की वजह से कृषि पर्यावरण और जैविक विज्ञान का वैश्विक स्तर पर चुनौतियां एवं अवसरों को पहचानना है तथा जो उन चुनौतियों का समाधान करना है। टेक्निकल डा. मुकेश् कुमार राजिस्ट्रार अम्बाला कालेज आफ़ इंजीनियरिंग एंड अप्लाइड रिसर्च मीठापुर अम्बाला ने चेयर किया तथा कोचेयर के रूप में डॉ. सुनीता राणा असिस्टेंट प्रोफेसर इंस्टीट्यूट आफ इंटीग्रेटेड एंड आनर्स स्टडी कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र रही। डा. कुलदीप यादव अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग जीएमएन कालेज अम्बाला कैंट एवं कोआर्डिनेटर राष्ट्रीय संगोष्ठी ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में हरियाणा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयो, महाविद्यालय के साथ-साथ पंजाब चंडीगढ़, राजस्थान, बंगाल, त्रिपुरा, केरल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शोध छात्रों ने आफ लाईन एवं आनलाइन माध्यम से भागीदारी दर्ज की।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में संपादित पुस्तक दिखाते हुए।